

CA-INTERMEDIATE
GROUP II – PAPER 6
ADVANCED AUDITING AND PROFESSIONAL ETHICS
SERIES - 3 (May 2020)

Roll No.
Time Allowed: - 3 Hours

Date : 25.03.2020
Maximum Marks: 100

=====
Division "A"
All Questions are compulsory.
=====

- 1 ओपीई लिमिटेड ने एक आईपीओ के संबंध में एक प्रॉस्पेक्टस जारी किया था जिसमें 31 मार्च 2019 को समाप्त हुए वित्तीय विवरणों पर ऑडिटर की रिपोर्ट थी। इस निर्गमन को पूरी तरह से अभिदान किया गया था। इस वर्ष के दौरान, कम्पनी के मुनाफे के असामान्य वृद्धि हुई, जिसके लिए बाद में यह पाया गया कि हेरफेर की गई बिक्री के कारण था, जिसमें पूर्णकालीन निदेशक और कम्पनी के अन्य शीर्ष अधिकारियों की भागीदारी थी। इस तथ्य की खोज पर, कम्पनी ने शेयरों के ग्राहकों को सभी धन वापस करने पेशकश की और नुकसान के लिए ऑडिटर पर मुकदमा दायर किया और आरोप लगाया कि ऑडिटर मुनाफे और संबंधित खातों में लाभ की दर में वृद्धि के लिए किसी भी संतोषजनक स्पष्टीकरण की जांच करने और पता लगाने में विफल रहे।
कम्पनी ने जोर दिया कि लेखा परीक्षक को संदेह के साथ आगे बढ़ना चाहिए था और चयनित सत्यापन का पालन नहीं करना चाहिए था। लेखा परीक्षक यह साबित करने में सक्षम थे कि उन्होंने आंतरिक नियंत्रण को संतोषजनक पाया और किसी भी परिस्थिति को संदेह में नहीं पाया।
कम्पनी यह साबित करने में सक्षम नहीं थी कि ऑडिटर अपने कर्तव्यों के प्रदर्शन में लापरवाही कर रहे थे।
निम्न में से कौनसा कथन सही है?
- (a) इस मामले में कम्पनी का रुख सही था। कार्य की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए, लेखा परीक्षकों को संदेह के साथ आगे बढ़ना चाहिए था और चयनित सत्यापन का पालन नहीं करना चाहिए था।
(b) इस मामले में लेखा परीक्षकों का दृष्टिकोण उचित है। ऑडिटरों ने आंतरिक नियंत्रणों को संतोषजनक पाया और संदेह को कम करने के लिए कोई भी परिस्थिति नहीं पाई और इसलिए उन्होंने चयनित सत्यापन के आधार पर अपनी प्रक्रियाओं का प्रदर्शन किया।
(c) दिए गए मामले में, लेखा परीक्षकों को उनकी ऑडिट प्रक्रियाओं में उनकी मदद करने के लिए विभिन्न विशेषज्ञों को शामिल करना चाहिए था। प्रॉस्पेक्टस एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें प्रबंधन में विभिन्न विशेषज्ञ शामिल होते हैं और इसलिए लेखा परीक्षकों को भी ऐसा करना चाहिए। दिए गए मामले में, विशेषज्ञों को शामिल नहीं करने से लेखा परीक्षकों ने पेशेवर तरीके से अपना काम नहीं किया यदि वे फॉरेंसिक विशेषज्ञों को शामिल करते, तो हेरफेर का पता लगाया जा सकता था। इसलिए लेखा परीक्षकों को उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए।
(d) इस तरह की व्यस्तताओं के मामले में, प्रबंधन नियंत्रण पर हमेशा ध्यान केंद्रित किया जाता है। यदि नियंत्रण प्रभावी पाए जाते हैं तो किसी कमी या मिथ्यावर्णन या धोखाधड़ी के संबंध में एक लेखा परीक्षक को भी उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता है।
- 2 सीए समीर ने मनेका लिमिटेड के लिए ऑडिट रणनीति विकसित करने के बाद, एक ऑडिट योजना विकसित की है, लेकिन पहले से निर्धारित भौतिकता के स्तर को संशोधित करने की आवश्यकता है और इसलिए पहले से ही निर्धारित ऑडिट रणनीति से विचलन आवश्यक है। इस मामले में, उसे चाहिए
- (a) ऑडिट रणनीति पर विचार किए बिना ऑडिट योजना के साथ जारी रखें।
(b) ऑडिट ड्रॉप करें और नियुक्ति से हट जाएं।
(c) पहले ऑडिट रणनीति को संशोधित करें और उसके बाद संशोधित रणनीति के अनुसार ऑडिट प्लान तैयार करें
(d) एक नई ऑडिट योजना तैयार करें और फिर, संशोधित योजना के अनुसार रणनीति बदलें।
- 3 के जे प्राइवेट लिमिटेड का फार्मास्युटिकल्स का व्यवसाय है और इसका वार्षिक कारोबार रुपये 1,500 करोड़ हैं पिछले कुछ वर्षों के दौरान, कम्पनी जिस वातावरण में काम कर रही है, उसे देखते हुए, इसका लाभ कम हो गया है और अभी भी गिर रहा है। इसलिए प्रबंधन में लागत में कटौती करने के विभिन्न तरीकों को देख रहे हैं।

ए डी एसोसिएटस कंपनी के सांविधिक ऑडिटर है और आर एम एण्ड एसोसिएटस कम्पनी के आंतरिक ऑडिटर हैं। प्रारम्भ में कम्पनी लागतों को बचाने के लिए किसी भी आंतरिक लेखा परीक्षक को नियुक्त नहीं करना चाहती थी, हालांकि, वैधानिक लेखा परीक्षकों के आग्रह पर, कम्पनी ने आंतरिक लेखा परीक्षकों की नियुक्ति की।

वित्तीय वर्ष जो 31 मार्च, 2019 को समाप्त हो गया के वैधानिक अंकेक्षण के दौरान वैधानिक लेखा परीक्षकों लेखा परीक्षकों ने अस्वीकार कर दिया। हालांकि, वैधानिक लेखा परीक्षकों ने प्रबंधन को बताया कि यदि कार्य-पत्र प्रदान नहीं किए जाते हैं तो वे अपनी रिपोर्ट को योग्य कर देंगे।

इस स्थिति में, कृपया सलाह दें कि निम्नलिखित में से कौन सा सही होगा।

- सांविधिक लेखा परीक्षकों को विस्तृत कार्य-पत्रों की समीक्षा करनी चाहिए, लेकिन वे इस आधार पर अपनी रिपोर्ट को योग्य नहीं बना सकते।
- वैधानिक लेखा परीक्षक विस्तृत कार्य-पत्रों की समीक्षा कर सकते हैं और उसके बाद भी वे अपनी रिपोर्ट को मर्यादित प्राप्त कर सकते हैं।
- वैधानिक लेखा परीक्षकों को आंतरिक लेखा परीक्षकों के विस्तृत कामकाजी पत्रों की सीमा तक जाने की आवश्यकता नहीं है।
- वैधानिक लेखा परीक्षक आंतरिक लेखा परीक्षकों के विस्तृत कार्य – पत्रों की समीक्षा कर सकते हैं, लेकिन इस उद्देश्य के लिए ICAI की पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता होगी।

- फिनको लिमिटेड के चालू वर्ष के ऑडिट का संचालन करते समय, ऑडिटर को ऑडिट साक्ष्य प्राप्त होता है कि पूर्व वित्तीय विवरणों में एक महत्वपूर्ण मिथ्यावर्णन मौजूद है। यह मिथ्यावर्णन अनुसंधान और विकास व्यय की मान्यता से संबंधित था। विकास व्यय के पूंजीकरण से संबंधित Ind AS अमूर्त सम्पत्तियों के प्रावधानों को ठीक से लागू नहीं किया गया था। इस पर, पहले से स्वच्छ राय जारी की गई थी। वर्तमान ऑडिटर ने सत्यापित किया कि Ind AS-8 लेखांकन नीतियों, लेखांकन अनुमानों और त्रुटियों में परिवर्तन के तहत मिथ्यावर्णन को आवश्यक नहीं माना गया था। तदनुसार, वर्तमान लेखा परीक्षक

 - मौजूदा आंकड़ों पर ऑडिटर की रिपोर्ट में एक मर्यादित या प्रतिकूल राय व्यक्त करना, जिसमें शामिल तत्सम्बन्धी आंकड़ों के संबंध में वित्तीय विवरणों को संशोधित किया गया है।
 - मौजूदा अवधि के वित्तीय वक्तव्यों पर ऑडिटर की रिपोर्ट में एक स्वच्छ राय व्यक्त करें। क्योंकि यह पूर्व वर्ष से संबंधित था।
 - चालू अवधि के वित्तीय वक्तव्यों में लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में एक मर्यादित राय व्यक्त करें, जिसमें तत्सम्बन्धी आंकड़ों भी शामिल हैं।
 - चालू अवधि के वित्तीय वक्तव्यों में लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में प्रतिकूल राय व्यक्त करेगा, जिसमें तत्सम्बन्धी आंकड़ों की मर्यादा भी शामिल है।
- हनीवेल लिमिटेड, एक सूचीबद्ध कंपनी अपने प्रमुख प्रबंधकीय व्यक्तियों को नियामक अधिनियम से आवश्यक अनुमोदन प्राप्त किए बिना कंपनी अधिनियम, 2013 के 197 के तहत निर्धारित सीमा से अधिक पारिश्रमिक का भुगतान करती है। इस परिस्थिति में, CARO, 2016 के तहत रिपोर्टिंग करते समय ऑडिटर को यह बताना आवश्यक है।

 - प्रबंधकीय व्यक्तियों के नाम और राशि जिनके लिए पारिश्रमिक का भुगतान सीमा से अधिक किया गया है।
 - प्रबंधकीय व्यक्तियों के नाम जिनके लिए सीमा से अधिक पारिश्रमिक का भुगतान किया जाता है और कंपनी द्वारा उसी के रिफंड हालिल करने के लिए उठाए गए कदम।
 - प्रबंधकीय व्यक्तियों को अधिकतम पारिश्रमिक देय और देय राशि से अधिक पारिश्रमिक।
 - पारिश्रमिक की धनवापसी के लिए कंपनी द्वारा शामिल राशि और कदम।
- टाप स्वान्डिव कम्पनी के ऑडिट के प्रभारी वरिष्ठ लेखा परीक्षक है, और आपके ऑडिट मैनेजर द्वारा सूचित किया गया कि चालू वर्ष के दौरान ग्राहक के साथ धोखाधड़ी हुई है। एक पेरोल क्लर्क काल्पनिक कर्मचारियों की स्थापना करता है और वेतन का भुगतान क्लर्क के अपने बैंक खाते में किया जाता है। इस क्लर्क ने बाद में कम्पनी छोड़ दी, लेकिन ऑडिट मैनेजर चिंतित है कि वेतन विभाग में अतिरिक्त धोखाधड़ी हुई है। धोखाधड़ी को बढ़ते जोखिम के प्रबंधक के मूल्यांकन के परिणामस्वरूप, मजदूरी की लेखा परीक्षा के दौरान निम्नलिखित में से कौन सी लेखा परीक्षा प्रक्रिया की जाएगी?

 - पेरोल मैनेजर के साथ पेरोल धोखाधड़ी की प्रकृति के बारे में चर्चा करके कि यह कैसे हुआ और पेरोल क्लर्क के बैंक खाते में गलत तरीके से भुगतान की गई राशियों का वित्तीय प्रभाव।
 - किए गए धोखाधड़ी के कुल भुगतान की पुष्टि करने के लिए सहायक दस्तावेज की समीक्षा करें और इस गलत विवरण की भौतिकता का आकलन करें।
 - आगे की धोखाधड़ी हुई हो सकती है या नहीं, इसका आकलन करने के लिए नए जॉइनर्स को भुगतान करने और भुगतान करने के आसपास के आंतरिक नियंत्रणों की समीक्षा और परीक्षण करें।

- (4) धोखाधड़ी में शामिल पेट्रोल क्लर्क के खिलाफ प्रबंधन द्वारा की गई कानूनी कार्रवाई की समीक्षा करें और देखें कि क्या वह अपने कार्यों के लिए दंडित किया गया है।
- (a) लेखा परीक्षा प्रक्रियाएं 1, 2, 3
- (b) लेखापरीक्षा प्रक्रिया 2, 3, 4
- (c) ऑडिट प्रक्रिया 1, 3, 4
- (d) लेखापरीक्षा प्रक्रियाएं 1,2,4
7. एजे प्राइवेट लिमिटेड को 21 मार्च, 2018 को शामिल किया गया था और उसके पास सीमित परिचालन है। हालांकि, कंपनी में कैपिटल इंडक्शन बहुत बड़ा था क्योंकि यह कैपिटल इंटेंसिव होगा। कम्पनी कर्नाटक में एक संयंत्र स्थापित करने की प्रक्रिया में है जिसे 31 मई, 2019 तक पूरा किया जाना चाहिए। कंपनी के प्रबंधन ने 31 मार्च, 2019 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए अपने वित्तीय विवरण तैयार किए। ऑडिटर्स को अप्रैल, 2019 में काम शुरू करने के लिए भी बुलाया गया था। लेखा परीक्षक 31 मई, 2019 तक अपने काम को पूरा करने में सक्षम होंगे और तदनुसार, प्रबंधन की सहमति के अनुसार, जून, 2019 के 1 सप्ताह तक अपनी ऑडिट रिपोर्ट जारी करेंगे। लेखा परीक्षकों के पास वित्तीय वक्तव्यों की तैयारी से संबंधित कुछ अवलोकन हैं जो अनुसूची III के अनुपालन में नहीं हैं और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि 31 मार्च, 2019 को समाप्त हुए वित्तीय विवरणों में संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के रूप में संयंत्र के पंजीकरण से संबंधित बिन्दु अनुपालन नहीं है। कृपया सुझाव दें कि निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही होगा
- (a) अनुसूची III का अनुपालन इस कंपनी के लिए 1 अप्रैल, 2019 से कम्पनी लेखा (संशोधन) नियम 2016 के अनुसार शुरू होगा।
- (b) अनुसूची III का अनुपालन पहली वित्तीय अवधि से शुरू होगा, हालांकि, कुछ छुट कंपनी लेखा नियम 2014 के अनुसार लागू होगी।
- (c) अनुसूची III का पूर्ण अनुपालन होना चाहिए और अनुसूची III के अनुसार संयंत्र को CWIP के रूप में रखा जाना चाहिए।
- (d) अनुसूची III का पूर्ण अनुपालन होना चाहिए और अनुसूची III के अनुसार संयंत्र को पीपीई के रूप में दिखाया जाना चाहिए।
8. एक सूचीबद्ध कंपनी यंग लिमिटेड के निदेशक, ने कंपनी के कार्यों और गतिविधियों का आंतरिक लेखा-परीक्षण करने के लिए श्री ओल्ड, एक लागत लेखाकार (जो अभ्यासरत नहीं है) को नियुक्त किया। मि. ओल्ड का काम एक स्वतंत्र प्रबंधन कार्य का होगा, जिसमें कंपनी के कामकाज के निरंतर और महत्वपूर्ण मूल्यांकन में सुधार के सुझाव देना और कंपनी के समग्र शासन तंत्र को जोड़ना और उसे मजबूत बनाना शामिल है। रणनीतिक जोखिम प्रबंधन और आंतरिक नियंत्रण प्रणाली। हालांकि, कंपनी के कुछ अधिकारी एक लागत लेखाकार की नियुक्ति के खिलाफ हैं जो आंतरिक लेखा परीक्षक के रूप में अभ्यास में नहीं हैं। कम्पनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों का हवाला देकर बताएं कि क्या वे अधिकारी सही हैं या नहीं?
- (a) अधिकारियों का दृष्टिकोण सही है क्योंकि कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 138 के अनुसार, आंतरिक लेखा परीक्षक चार्टर्ड एकाउंटेंट होगा।
- (b) अधिकारियों का दृष्टिकोण सही है क्योंकि कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 138 के अनुसार, आंतरिक लेखा परीक्षक एक अभ्यासरत लागत लेखाकार होगा।
- (c) अधिकारियों का दृष्टिकोण सही है क्योंकि कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 138 के अनुसार आंतरिक लेखा परीक्षक कंपनी का कर्मचारी होगा।
- (d) अधिकारियों का दृष्टिकोण सही नहीं है क्योंकि कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 138 के अनुसार, आंतरिक लेखा परीक्षक या तो चार्टर्ड एकाउंटेंट या लागत लेखाकार (चाहे वह अभ्यासरत हों या नहीं) या ऐसे अन्य पेशेवर होंगे जैसा कि बोर्ड द्वारा तय किया जा सकता है।
9. निम्न में से कौनसा सही है:-
- (a) ऑडिटर ऑडिट डॉक्यूमेंट को एक ऑडिट फाइल में इकट्ठा करेगा ऑडिटर की रिपोर्ट की तारीख के बाद अंतिम ऑडिट फाइल को समय पर आधार पर इकट्ठा करने की प्रशासनिक प्रक्रिया को पूरा करेगा।
- (b) ऑडिटर ऑडिट डॉक्यूमेंट को एक ऑडिट फाइल में इकट्ठा करेगा और अंतिम ऑडिट फाइल को असंबल करने की प्रशासनिक प्रक्रिया को पूरा नहीं करेगा।
- (c) ऑडिटर ऑडिट डॉक्यूमेंट को एक ऑडिट फाइल में इकट्ठा करेगा और ऑडिटर की रिपोर्ट की तारीखा से पहले समय पर अंतिम ऑडिट फाइल को इकट्ठा करने की प्रशासनिक प्रक्रिया को पूरा करेगा।
- (d) ऑडिटर ऑडिट डॉक्यूमेंट को ऑडिट फाइल में इकट्ठा नहीं करेगा।
10. ऑडिट प्रक्रियाओं के रिकॉर्ड के लिए संबंधित ऑडिट साक्ष्य जो प्राप्त किए गए और ऑडिटर के निष्कर्ष का रिकॉर्ड है।
- (a) ऑडिट प्रलेखन (b) ऑडिट फाइल
- (c) लेखापरीक्षा नोट बुक (d) समापन ज्ञापन

केस स्टडी 1

आर एस लिमिटेड की स्थापना 1992 में राज और शांति ने करी थी। शुरुआत में कम्पनी का नाम राजीव प्राइवेट लिमिटेड था। कम्पनी वर्तमान में विमानन के व्यवसाय में है। कम्पनी का चेन्नई में मुख्य कार्यालय है। कम्पनी अपने निगमन के बाद से एक ही व्यवसाय में है, लेकिन परिचालन अक्षमताओं और परिणामी नुकसान के कारण पिछले कुछ वर्षों में अपने व्यवसाय को 3 बार बंद करना पड़ा।

वर्ष 2012 में, जब कम्पनी ने तीसरी बार बंद करने के बाद अपने परिचालन को फिर से शुरू किया, तो कंपनी को विदेशी निवेशकों से धनी मिला। कम्पनी के प्रबंधन ने कंपनी की प्रक्रियाओं और परिचालन की दक्षता में सुधार के लिए विभिन्न जांच और नियंत्रणों पर अपना ध्यान केन्द्रित किया। इससे धीरे-धीरे कंपनी की समग्र व्यावसायिक संस्कृति में सुधार हुआ और धीरे-धीरे कंपनी ने मुनाफा कमाना शुरू कर दिया।

वर्ष 2016 में कंपनी सार्वजनिक कंपनी में परिवर्तित हो गई और इसका नाम बदलकर आर एस लिमिटेड हो गया। इसके बाद कंपनी ने न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध होने का भी प्रयास किया लेकिन बाजार अनुकूल नहीं था और कंपनी इकसे बजाय भारत में सूचीबद्ध हो गई।

कंपनी ने परिचालन क्षमता पर अपना ध्यान केंद्रित रखा जो कि कम्पनी की अन्य सभी प्रक्रियाओं के लिए भी बढ़ाया गया था, सबसे महत्वपूर्ण, वित्तीय रिपोर्टिंग पर भी, जो प्रबंधन द्वारा पहले ध्यान केन्द्रित नहीं किया गया था।

कम्पनी ने अपने आंतरिक लेखा परीक्षकों के रूप में चार्टर्ड एकाउंटेंट्स, के.बी. एण्ड कम्पनी की एक बड़ी फर्म भी नियुक्त की, जिनका उसी क्षेत्र में विशेषज्ञता है, ताकि वे जहाँ कहीं भी आवश्यक हो, प्रक्रियाओं में अंतराल को भरने में कंपनी की मदद कर सकें।

कंपनी मार्च 2018 को समाप्त वित्तीय वर्ष के दौरान, कंपनी के आंतरिक लेखा परीक्षकों ने कुछ टिप्पणियों को उठाया, जिन पर प्रबंधन के साथ विस्तार से चर्चा की गई थी, क्योंकि प्रबंधन आंतरिक लेखा परीक्षकों के कुछ बिन्दुओं से सहमत नहीं था।

इसके बाद वित्तीय वर्ष 31 मार्च 2019 को समाप्त हो गया, प्रबंधन ने सीए फर्म, केबी एंड कंपनी के साथ-साथ अपने इन हाउस आंतरिक ऑडिट फंक्शन को स्थापित करने का फैसला किया। इस कार्य को इन – हाउस और अवधि के दौरान करना था। एक बार प्रबंधन इन-हाउस आंतरिक ऑडिट फंक्शन के भरोसे होने के बाद केबी एण्ड कम्पनी बाहर निकाल सकता है।

उपर्युक्त तथ्यों को ध्यान में रखते हुए, कृपया निम्नलिखित के संबंध में अपने सुझाव प्रदान करें।

11. रसद प्रक्रिया अके लिए मानक परिचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) को बिक्री विपणनी विभाग से बिल सत्यापन तक प्राप्त वाहन अनुरोध के बिन्दु से परिभाषित नहीं किया गया था। प्रबंधन ने बताया कि इस प्रक्रिया का एक हिस्सा विकसित किया गया था और शेष भाग अगले 3 महीनों के भीतर होने की उम्मीद थी। 1
 - (a) यह एक दस्तावेज ही अधिक है और इसलिए प्रबंधन के लिए प्रासंगिक नहीं है।
 - (b) लेखा परीक्षक को अपनी रिपोर्ट में इन मामले को उजागर करना चाहिए और रिपोर्ट करना चाहिए।
 - (c) जो मामला पहले से ही चल रहा है, उसे ऑडिटर द्वारा नहीं माना जाना चाहिए।
 - (d) प्रबंधन को विकास प्रक्रिया को आगे प्रदर्शित करने और इस मुद्दे को बंद करने की आवश्यकता है।
12. यह नोट किया गया है कि एक विशेष अवधि के दौरान, कुछ स्थानों पर नकदी की वास्तविक आवश्यकता की तुलना में हाथ में नकदी थी। उस अवधि के दौरान नकद शेष एवं नकद खर्चों का अनुपात 7 से 84 गुना तक था। इसके अलावा कुछ स्थानों पर रखे गए नकदी के लिए बीमा कवर भी नहीं लिया गया था। प्रबंधन ने बताया कि यह केवल एक निर्दिष्ट अवधि के दौरान हुआ था और बीमा कवरेज योजना अगले वर्ष के लिए थी। 1
 - (a) ऑडिटर को अपनी रिपोर्ट में इस मामले को रिपोर्ट करना चाहिए।
 - (b) प्रबंधन को इसमें शामिल राशि की व्याख्या करने की आवश्यकता है और यदि यह कम है तो लेखा परीक्षक को इस पर ध्यान नहीं देना चाहिए।
 - (c) नकद शेष को आंतरिक लेखा परीक्षक द्वारा नहीं देखा जाना चाहिए क्योंकि यह वित्तीय रिपोर्टिंग से अधिक प्रासंगिक है।
 - (d) आंतरिक लेखा परीक्षक को केवल प्रबंधन को बीमा कवरेज की उपलब्धता के बारे में रिपोर्ट करना चाहिए।
13. खरीद प्रक्रिया की समीक्षा करने पर, यह देखा गया कि बाद के खरीद आदेश को बढ़ाते समय सिस्टम को उसी सामग्री की लंबित डिलीवरी दिखाने के लिए सक्षम नहीं किया गया था और खुले खरीद आदेशों और लंबे समय से लंबित आदेशों की समीक्षा के लिए दिशानिर्देशों को परिभाषित नहीं किया गया था। प्रबंधन ने बताया कि यह लीड समय, मात्रा एवं कीमत में लॉकिंग, शिपमेंट की लिए लीड समय, डिलीवरी में देरी, अनुपलब्धता के कारण डिलीवरी में देरी, विक्रेताओं की समय-सीमा या गुणवत्ता आदि के अनुसार सामग्री की आपूर्ति में विफलता के कारण था और वे पता लगाएंगे कि सिस्टम संचालित रिपोर्टिंग कैसे हो सकती है। 1

- (a) यह एक परिचालन चुनौती थी और इसलिए आंतरिक लेखा परीक्षक के दायरे से बाहर थी।
- (b) यह कुछ सिस्टम बाधाओं से संबंधित है और इसलिए इसे आंतरिक लेखा परीक्षक द्वारा अनेदेखा किया जा सकता है।
- (c) आंतरिक लेखा परीक्षक को अपनी रिपोर्ट में इस पर प्रकाश डालना होगा।
- (d) प्रबंधन को इस बात का ध्यान रखने के लिए एक उचित योजना तैयार करनी चाहिए। किसी भी मामले में ऐसा होने के कारण कोई वित्तीय प्रभाव नहीं दिखता है और इसलिए इसे अनेदेखा किया जाना चाहिए।

14. यह देखा गया कि सभी ग्राहकों के लिए क्रेडिट सीमा मूल्यांकन नहीं किया जा रहा था, जिसके परिणामस्वरूप ग्राहकों को दिए जाने वाले ऋण की संभावना कमजोर वित्तीय विश्वसनीयता के कारण हो सकती है, जिससे कम्पनी को खराब ऋण वित्तीय घाटा हो सकता है। प्रबंधन ने उत्तर दिया कि उन्होंने अपने ईआरपी पैकेज में क्रेडिट सीमा के अपडेशन की प्रक्रिया शुरू की है जो प्रमुख ग्राहकों के लिए और अस्थायी क्रेडिट सीमा परिभाषित होने के बाद ग्राहकों के लिए एक महीने में पूरा किया जाएगा। यह अधिकांश जोखिम को कवर करेगा।

1

- (a) चूंकि प्रबंधन ने पहले से ही उपचारात्मक कार्रवाई की है, आंतरिक ऑडिट को इस बिंदु को छोड़ देना चाहिए।
- (b) चूंकि यह मामला वित्तीय से संबंधित है, इसलिए इसे वैधानिक लेखा परीक्षकों द्वारा कवर किया जाना चाहिए, न कि आंतरिक लेखा परीक्षकों द्वारा।
- (c) प्रबंधन ने कहा है कि वैधानिक लेखा परीक्षकों ने भी इस बिन्दु को उठाया है और इसलिए आंतरिक लेखा परीक्षकों को इसे छोड़ देना चाहिए।
- (d) आंतरिक लेखा परीक्षकों को इस तथ्य की परवाह किए बिना रिपोर्ट करना चाहिए कि क्या सांविधिक लेखा परीक्षकों ने इसे कवर किया है या नहीं।

15. इन-हाउस आंतरिक ऑडिट टीम बनाकर सीए फर्म को चरणबद्ध करने की प्रबंधन की योजना को सांविधिक लेखा परीक्षकों ने यह कहते हुए स्वीकार किया कि यह स्वीकार्य नहीं है।

1

- (a) सांविधिक लेखा परीक्षक सही है।
- (b) सांविधिक लेखा परीक्षकों को एक अवधि के लिए इसका निरीक्षण करना चाहिए और यदि वह ठीक काम कर रहा है तो उन्हें इस बारे में कोई चिंता नहीं होनी चाहिए।
- (c) प्रबंधन को इस बआरे में विवेक है और इसलिए वैधानिक लेखा परीक्षक सही नहीं है।
- (d) प्रबंधन को संबंधित प्राधिकरण जैसे MCA से अनुमोदन लेना चाहिए और फिर वैधानिक लेखा परीक्षकों को यह स्वीकार करना होगा।

केस स्टडी 2

सेटीर लिमिटेड एक कम्पनी है जिसमें 59 प्रतिशत चुकता शेयर पूंजी पंजाब सरकार के पास है। कम्पनी निर्माण परियोजनाओं के संबंध में परामर्श सेवाएं प्रदान करने के व्यवसाय में लगी हुई है।

पंजाब सरकार आवश्यकता पड़ने पर भविष्य में कम्पनी में धनराशि सम्मिलित करने की भी योजना बना रही है। नोकरी लिमिटेड सेटीर लिमिटेड द्वारा नियंत्रित कम्पनी है। नोकरी लिमिटेड का व्यवसाय निर्माण गतिविधि है, और इसका वार्षिक कारोबार रुपये 2500 करोड़ है।

31 मार्च 2019 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के लिए नोकरी लिमिटेड के वित्तीय वक्तव्यों की ऑडिट पूरी हो गई, लेकिन नोकरी लिमिटेड ने देखा कि ऑडिट के दौरान भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक का बहुत हस्तक्षेप था, जिसमें CAG निर्देश दे रहे थे। ऑडिटर्स को किस किस तरह से कुछ क्षेत्रों के संबंध में ऑडिट किया जाना चाहिए।

इसके अलावा, इरो ऑडिटर्स की ऑडिट रिपोर्ट पर CAG से भी टिप्पणियां मिली। नोकरी लिमिटेड CAG के खिलाफ जाने के लिए कानूनी राय लेना चाहता है ताकि CAG के अनावश्यक हस्तक्षेप से बच सकें और नोकरी लिमिटेड द्वारा नियुक्त नए ऑडिटर्स की नियुक्ति भी तलाश कर रहे हैं जिनके साथ उनके पास एक नियुक्ति पत्र होगा, जो उन ऑडिटर्स को स्वीकार करना होगा क्योंकि CAG के हस्तक्षेप से जो मौजूदा लेखा परीक्षकों से बचने में सक्षम नहीं है।

16. इस संदर्भ में, कृपया सलाह दें कि निम्नलिखित में से कौन सा सही होना चाहिए?

1

- (a) मौजूदा ऑडिटर्स का स्टैंड बेहतर होना चाहिए था यानि C & AG के किसी भी हस्तक्षेप को स्वीकार नहीं करना चाहिए था।
- (b) प्रबंधन दूसरे लेखा परीक्षकों की नियुक्ति के बजाय मौजूदा लेखा परीक्षकों के साथ नियुक्ति पत्र में समान शर्तों को शामिल करके ऑडिट कार्य की बेहतर योजना बना सकता था।

- (c) CAG की भागीदारी को स्वीकार किया जा सकता था यदि यह सेटीर लिमिटेड का ऑडिट होता, लेकिन नोकरी लिमिटेड के मामले में नहीं और इसलिए नोकरी लिमिटेड को इसका समाधान निकालने के लिए अपनी मूल कंपनी तक भी पहुंचना चाहिए।
- (d) नोकरी लिमिटेड का स्टैंड गलत है क्योंकि C & G नोकरी लिमिटेड के ऑडिट में शामिल हो सकता है।
17. **सरकारी कम्पनी के ऑडिटर को नियुक्त किया जाता है:-** 1
- (a) केन्द्र सरकार द्वारा
- (b) कंपनी के सदस्य द्वारा
- (c) भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक द्वारा
- (d) इनमें से कोई नहीं।
18. **CAG को सरकारी कम्पनी में अनुपूरक लेखा परीक्षा के लिए आदेश देने की शक्ति है लेखा परीक्षा रिपोर्ट की प्राप्ति से _____ दिनों के भीतर।** 1
- (a) 45 दिन
- (b) 30 दिन
- (c) 60 दिन
- (d) 90 दिन
19. **CAG की अवधि है।** 1
- (a) 60 वर्ष की आयु या 5 वर्ष जो भी पहले हो
- (b) 65 वर्ष की आयु या 5 वर्ष जो भी पहले हो
- (c) 60 वर्ष की आयु या 6 वर्ष जो भी पहले हो
- (d) 65 वर्ष की आयु या 6 वर्ष जो भी पहले हो।
20. **CAG को नियुक्त किया जाता है-** 1
- (a) भारत के प्रधान मंत्री द्वारा
- (b) भारत का कैबिनेट-मंत्री द्वारा
- (c) भारत के राष्ट्रपति द्वारा
- (d) संसद सदस्य द्वारा।

Division "B"
Question No. 1 is compulsory.
Attempt any Four questions from the rest.

- =====
- 1** संक्षिप्त में कारण बताएं कि क्या निम्नलिखित कथन सही हैं या गलत (कोई भी सात) **14**
- A.** सारभूत प्रविधि को महत्वपूर्ण गलत विवरण को रोकने, पता लगाने और सही करने में नियंत्रण की परिचालन प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए डिजाइन की गई ऑडिट प्रक्रियाओं के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।
- B.** सामान्य ICS नियंत्रणों का अनुप्रयोग प्रणाली में लेनदेन के प्रसंस्करण पर व्यापक प्रभाव हो सकता है।
- C.** ऑडिटर से अपेक्षा नहीं की जाती है, और ऑडिट जोखिम को शून्य तक कम नहीं कर सकता है और इसलिए यह पूर्ण आश्वासन प्राप्त नहीं कर सकता है कि वित्तीय विवरण धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण महत्वपूर्ण मिथ्यावर्णन से मुक्त हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि एक ऑडिट की अंतर्निहित सीमाएं हैं।
- D.** नमूना आकार सांख्यिकीय और गैर-सांख्यिकीय दृष्टिकोणों के बीच अंतर करने के लिए एक वैध मानदंड नहीं है।
- E.** अन्तर्निहित जोखिम, नियन्त्रण जोखिम और खोजी जोखिम में कोई संबंध नहीं है।
- F.** कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत पंजीकृत एनजीओ अपनी पुस्तकों को या तो आकस्मिक या नकद आधार पर बनाए रख सकते हैं।
- G.** एक कंपनी के प्रबंध निदेशक ने कंपनी के खातों की पुस्तकों को पंजीकृत कार्यालय (मुंबई) से कॉर्पोरेट कार्यालय (नई दिल्ली) में स्थानांतरित कर दिया है।
- H.** लेखांकन नीतियों के स्वीकार्यता और वित्तीय विवरणों में प्रकटीकरण की अपर्याप्तता के संबंध में प्रबंधन से असहमत होने पर ऑडिटर राय का अस्वीकरण जारी करेगा।
- 2A.** वर्तमान लेखा परीक्षक के कार्यकाल की समाप्ति के बाद रोटेशन द्वारा लेखा परीक्षकों की नियुक्ति के बारे में क्या प्रावधान हैं, जो एक कंपनी को विचार करना चाहिए? **4**
- B.** XYZ Ltd इलेक्ट्रॉनिक सामानों के व्यापार में लगी हुई है और अनेक प्राप्य देनदार है। पूरे खातों की प्राप्ति के विश्लेषण के लिए, लेखा परीक्षक नमूना तकनीक का उपयोग करना चाहता था। जनसंख्या की विशेषताओं पर विचार करना जिसमें से नमूना तैयार किया जाएगा, ऑडिटर निर्धारित करता है कि स्तरीकरण या मूल्य-भारित चयन तकनीक उपयुक्त है। एसए 530 स्तरीकरण और मूल्य-भारित नमूनाकरण तकनीकों के उपयोग पर लेखा परीक्षक को मार्गदर्शन प्रदान करता है। ऑडिटर को SA-530 के अनुसार सलाह दें **4**
- C.** PQR लिमिटेड के ऑडिटर। पर्याप्त उपयुक्त ऑडिट साक्ष्य प्राप्त करने में असमर्थ है और ऑडिटर यह भी सोचता है कि वित्तीय विवरणों पर अनिर्धारित गलत विवरणों के संभावित प्रभाव दोनों महत्वपूर्ण और व्यापक होंगे। ऑडिटर वहां मौजूद कई अनिश्चितताओं को शामिल करते हुए इस स्थिति को मानता है कि अनिश्चितताओं की संभावित बातचीत और वित्तीय वक्तव्यों पर उनके संभावित संचयी प्रभाव के कारण वित्तीय विवरणों पर एक राय बनाना संभव नहीं है। **3**
- दी गई परिस्थितियों में किस प्रकार की रिपोर्ट ऑडिटर जारी करेगा, इसकी सलाह और व्याख्या करें। आपको इस संबंध में व्यापकता का अर्थ भी बताना चाहिए।
- D.** "लेखा परीक्षक को एक कुशल और समयबद्ध तरीके से एक प्रभावी ऑडिट करने में सक्षम बनाने के लिए अपने काम की योजना बनानी चाहिए। योजनाएं ग्राहक के व्यवसाय के ज्ञान पर आधारित होनी चाहिए "एक कुशल और प्रभावी तरीके से ऑडिट करने के लिए स्पष्ट रूप से उन व्यापक बिंदुओं पर चर्चा करें जो आपकी योजना में शामिल होंगे। **3**

- 3A.** एक ऑडिटर के रूप में, आप ऑडिट एंगेजमेंट में बदलाव को कैसे स्वीकार करेंगे? **4**
- B.** धोखाधड़ी और त्रुटि कर्तव्य का पता लगाना क्या अकेंक्षक का कर्तव्य है? **4**
- C.** बहु-राज्य सहकारी समितियों अधिनियम, 2002 की धारा 73 में लेखा परीक्षकों की शक्तियों और कर्तव्यों पर चर्चा की गई है। इसके अनुसार, मल्टी-स्टेट को-ऑपरेटिव सोसाइटी के प्रत्येक ऑडिटर को मल्टी-स्टेट को-ऑपरेटिव सोसाइटी के बुक अकाउंट और वाउचर तक हर समय पहुंच का अधिकार होगा, चाहे वह मल्टी के हेड ऑफिस में रखा गया हो या नहीं। राज्य सहकारी समिति या अन्य जगहों पर, और बहु-राज्य सहकारी समिति के अधिकारियों या अन्य कर्मचारियों से इस तरह की जानकारी और स्पष्टीकरण की आवश्यकता के हकदार होंगे, जैसे कि लेखा परीक्षक एक लेखा परीक्षक के रूप में अपने कर्तव्यों के प्रदर्शन के लिए आवश्यक सोच सकता है।
सेक्शन 73 (2) के तहत ऑडिटर द्वारा की जाने वाली पूछताछ का जवाब देना आवश्यक है। स्पष्ट करें। **3**
- D.** डेटा की विश्वसनीयता इसके स्रोत और प्रकृति से प्रभावित होती है और यह उन परिस्थितियों पर निर्भर करती है जिसके तहत इसे प्राप्त किया जाता है। तदनुसार, उन कारकों की व्याख्या करें जो यह निर्धारित करते समय कि क्या डेटा महत्वपूर्ण विश्लेषणात्मक प्रक्रियाओं को डिजाइन करने के उद्देश्यों के लिए विश्वसनीय है। **3**
- 4A.** एक नियुक्ति पत्र का उद्देश्य क्या है? एक नियुक्ति-पत्र के महत्वपूर्ण तत्व क्या हैं? **4**
- B.** एक व्यक्ति उस कंपनी के ऑडिटर के रूप में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा जहां सहायक या एसोसिएट कंपनी या किसी अन्य प्रकार की इकाई परामर्श और विशेष सेवाओं में नियुक्ति की तारीख पर लगी हुई है जैसा कि धारा 144 में प्रदान किया गया है। के बारे में बताएं। **4**
- C.** आमतौर पर, निरीक्षण के साथ संयोजन में पूछताछ लागू करने से सबसे प्रभावी और कुशल लेखा परीक्षा साध्य मिलते हैं। हालांकि, कौन सा ऑडिट टेस्ट कब और किस संयोजन में उपयोग करना है, यह पेशेवर निर्णय का विषय है। एक स्वचालित वातावरण में विभिन्न तरीकों का परीक्षण करने पर चर्चा की जाती है। **3**
- D.** CARO, 2016 के तहत फिक्स्ड एसेट्स के संबंध में रिपोर्टिंग आवश्यकताओं पर चर्चा करें। **3**
- 5A.** SA 500 "ऑडिट एविडेंस" के संदर्भ में, ऑडिट सबूत के विभिन्न स्रोतों और उनकी विश्वसनीयता पर चर्चा करें। **4**
- B.** जनरल लेजर की जांच के समय लेखा परीक्षक यह देखता है कि राजस्व प्रकृति के अनिवार्य रूप से कुछ खर्चों को गलत तरीके से पूंजीगत व्यय के रूप में माना जाता है। इस तरह के खर्चों और इस संबंध में लेखा परीक्षक के कर्तव्यों के उदाहरण बताइएँ। **4**
- C.** ऑडिटर ने मूल्यांकन किया, टी लिमिटेड के संबंध में, क्या वित्तीय विवरण लागू वित्तीय रिपोर्टिंग ढांचे की आवश्यकताओं के अनुसार तैयार किए गए हैं।
ऑडिटर के मूल्यांकन में इकाई के लेखांकन प्रथाओं के गुणात्मक पहलुओं पर विचार करना शामिल है, जिसमें प्रबंधन के निर्णयों में संभावित पूर्वाग्रह के संकेतक शामिल हैं।
इकाई के लेखांकन प्रथाओं के गुणात्मक पहलुओं को सलाह दें। **3**
- D.** एक लेखा परीक्षा कार्यक्रम के उपयोग के नुकसान के बारे में बताएं। **3**
- 6A.** ऑटो पार्ट्स के निर्माण में लगी कंपनी PQR Ltd के ऑडिटर को ऑडिट से संबंधित नियंत्रण गतिविधियों की समझ प्राप्त होती है, जिसे ऑडिटर महत्वपूर्ण मिथ्यावर्णन के जोखिमों का आकलन करने के लिए आवश्यक मानता है।
ऑडिटर का विचार है कि उसे लेन-देन के महत्वपूर्ण वर्ग, खाता संतुलन, और वित्तीय वक्तव्यों में प्रकटीकरण से संबंधित केवल उन नियंत्रण गतिविधियों की समझ की आवश्यकता होती है जिन्हें ऑडिटर अपनी जोखिम मूल्यांकन प्रक्रिया में प्रासंगिक पाते हैं।
नियंत्रण गतिविधियों का अर्थ समझाते हुए सलाह दें। एवं उन गतिविधियों को भी पहचानें और समझाएं जो लेखापरीक्षा के लिए प्रासंगिक हैं। **4**

B. व्यापक विश्लेषणात्मक प्रक्रियाएं आम तौर पर लेनदेन के बड़े संस्करणों पर लागू होती हैं जो समय के साथ अनुमानित होती हैं। समझाना **4**

या

पीक्यूआर लिमिटेड के वित्तीय विवरणों से गुजरने पर, इसके लेखा परीक्षकों कमल गगन और एसोसिएट्स ने देखा कि कंपनी ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों से ऋण लिया है। इसके अलावा, लेखा परीक्षा टीम देयताओं के बारे में निम्नलिखित पर चर्चा करती है:

“देयताएं मालिकों के धन के अलावा किसी उद्यम के वित्तीय दायित्व हैं। देनदारियों में ऋण एवं उधार, व्यापार देयताएं और अन्य वर्तमान देनदारियां, आस्थगित भुगतान क्रेडिट और प्रावधान शामिल हैं।

देनदारियों का सत्यापन उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि परिसंपत्तियों के लिए, यदि किसी देयता को छोड़ दिया जाता है (या कम आँका जाता है) या अधिक आँका जाता है, तो बैलेंस शीट कंपनी के मामलों की स्थिति के बारे में सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण नहीं दिखाएगी।”

स्पष्ट रूप से सलाह देते हैं कि आमतौर पर उधारों के अस्तित्व के सत्यापन के लिए आवश्यक किन ऑडिट प्रक्रियाओं को किया जाना चाहिए

C. उन विशेष बिंदुओं पर चर्चा करें जिन पर आप क्लब के ऑडिट में विचार करेंगे। **3**

D. एक राष्ट्रीयकृत बैंक के मामले में, केंद्र सरकार को रिपोर्ट करने के लिए लेखा परीक्षक की आवश्यकता होती है। भारतीय स्टेट बैंक के लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट भी केंद्र सरकार को दी जानी है और राष्ट्रीयकृत बैंक के मामले में ऑडिटर की रिपोर्ट के समान है। **3**
बताएं कि उनकी रिपोर्ट में ऑडिटर क्या व्यक्त करेगा।